जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल

कक्षा:नौवी (9th) **विषय:हिंदी** **प्रसंग: धर्म की आड़**

शिक्षण- उद्देश्य :-

(क) ज्ञानात्मक -

- भारतीय सामाजिक - जीवन की जानकारी देना।
- विभिन्न धर्मों से परिचित कराना।
- सामाजिकता का पाठ पढ़ाना।
- नए शब्दों के अर्थ समझकर अपने शब्द- भंडार में वृद्धि करना।
- साहित्य के गद्य -विधा (लेख) की जानकारी देना।
- छात्रों को हिन्दी के साहित्यकारों के बारे में जानकारी देना।
- नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना।

(ख) कौशलात्मक -

- स्वयं लेख लिखने की योग्यता का विकास करना।
- पाठ में वर्णित घटनाओं का प्रामाणिक तथ्य प्रस्तुत करना।

(ग) बोधात्मक -

- साहित्यकार गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन-वृत्त से परिचित होना।
- रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना और सच्चे धर्म को समझना।
- लेख में वर्णित महत्त्वपूर्ण नैतिक मूल्यों की सूची बनाना।
- समाज में जीवन के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास करना।

(घ) प्रयोगात्मक -

- लेख की बातों को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में जोड़कर देखना।
- समाज के विभिन्न धार्मिक वर्गों के लोगों का चरित्र-चित्रण करना ।
- लेख का सारांश अपने शब्दों में लिखना।